

नरेन्द्र सिंह तोमर
NARENDRA SINGH TOMAR

D.O. No. 617 /AM



कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
भारत सरकार
कृषि भवन, नई दिल्ली
MINISTER OF AGRICULTURE & FARMERS WELFARE
GOVERNMENT OF INDIA
KRISHI BHAWAN, NEW DELHI

D.O.4-6/2021-NFSM

31st August, 2022

Dear Member of Parliament,

As you may be aware, on the proposal of the Government of India, the United Nations has declared the year 2023 as the International Year of Millets (IYoM-2023). The proposal of India was supported by 72 countries which has brought millets to the centre stage of the global arena. After the adoption by the United Nations for the International Day of Yoga on 21st June, this is an equally important victory for India and this move will immensely benefit the farmers who produce millets.

Towards the celebrations for the IYoM-2023, the Government of India has drawn up a detailed plan. It is expected that IYoM- 2023 would lead to creation of domestic and global demand for millets and will also fulfill the objective to provide nutritional food in India.

To make the IYoM-2023 a huge success, it requires involvement of every citizen of India. Towards this end, I seek your support and cooperation for popularizing millets both in India and abroad, and request you to engage with your constituency for popularization of millets.

I also look forward to suggestions in this regard and hope that through a coordinated action, the IYoM-2023 becomes a huge success.

With regards,

Yours sincerely,

(Narendra Singh Tomar)

All Member of Parliaments (Lok Sabha/Rajya Sabha)

नरेन्द्र सिंह तोमर
NARENDRA SINGH TOMAR

O.O. No. 617 /AM



कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
भारत सरकार
कृषि भवन, नई दिल्ली
MINISTER OF AGRICULTURE & FARMERS WELFARE
GOVERNMENT OF INDIA
KRISHI BHAWAN, NEW DELHI

अर्ध.शा.प 4-6/2021-NFSM

31 अगस्त, 2022

प्रिय सांसद,

जैसा कि आपको विदित है कि भारत सरकार के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष (आई.वाई.ओ.एम. - 2023) के रूप में घोषित किया है। भारत के प्रस्ताव को 72 देशों ने समर्थन दिया, जिसने पोषक अनाज को वैश्विक क्षेत्र के केंद्र स्तर पर ला दिया है। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाए जाने के बाद, यह भारत के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण जीत है और इस कदम से पोषक अनाज पैदा करने वाले किसानों को अत्यधिक लाभ होगा।

अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष - 2023 के समारोहों के लिए, भारत सरकार ने एक विस्तृत योजना तैयार की है। यह उम्मीद की जाती है कि आई.वाई.ओ.एम. - 2023 से पोषक अनाज की घरेलू और वैश्विक मांग पैदा होगी और भारत में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य को भी पूरा करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष - 2023 को एक बड़ी सफलता बनाने के लिए, इसमें भारत के प्रत्येक नागरिक की भागीदारी की आवश्यकता है। इस दिशा में, मैं भारत और विदेशों में पोषक अनाज को लोकप्रिय बनाने के लिए आपका समर्थन और सहयोग चाहता हूं और आपसे अनुरोध करता हूं कि आप पोषक अनाज को अपने निर्वाचन क्षेत्र में लोकप्रिय बनाने के लिए प्रयास करें।

मुझे इस संबंध में सुझावों की भी प्रतीक्षा है और आशा है कि समन्वित कार्रवाई के माध्यम से आई.वाई.ओ.एम. - 2023 एक बड़ी सफलता बन जाएगी।

सादर,

आपका
7/1
(नरेन्द्र सिंह तोमर)

संसद के सभी सदस्य (लोक सभा / राज्य सभा)